कानपुर, गुरुवार, 19 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 48, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड सुप्रीम कोर्ट ने फ्री योजनाओं पर जताई गंभीर चिंता...>Pg12
यूरोपीय कारोबारियों से करोड़ों की ठगी का पर्दाफाश...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

आईआईटी कानपुर की रिसर्च से बड़ा अलर्ट

6.5+ तीव्रता का भूकंप आया तो कानपुर प्रयागराज को भारी नुकसान का खतरा

❑ गंगा के मैदानी पट्टी वाले क्षेत्रों की मिट्टी में लिक्विफेक्शन का उच्च खतरा

❑ बहुमंजिला इमारतों और बड़े प्रोजेक्ट में ग्राउंड इंप्रूवमेंट तकनीक लागू करने की सिफारिश

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। भूकंप सुरक्षा को लेकर देश के प्रमुख तकनीकी संस्थान आईआईटी कानपुर की विस्तृत शोध रिपोर्ट ने गंगा मैदानी क्षेत्र के बड़े शहरों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। अध्ययन के अनुसार यदि 6.5 या उससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो मैदानी भूभाग पर बसे शहर–विशेषकर कानपुर और प्रयागराज–में भवनों, पुलों, सड़कों और अन्य अवसंरचनात्मक ढांचों को अपेक्षाकृत ज्यादा क्षति पहुंच सकती है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि इस खतरे की मुख्य वजह यहां की मिट्टी की संरचना, उच्च भूजल स्तर और परतदार अवसादी धरातल है।

शोध का नेतृत्व कर रहे विशेषज्ञ निहार रंजन पात्रा के अनुसार गंगा के मैदानी इलाकों में पाई जाने वाली मिट्टी अधिकतर ढीली, महीन कणों वाली और जल-संतृप्त होती है। भूकंप के तेज झटकों के दौरान ऐसी मिट्टी में ÷लिक्विफेक्शन÷ यानी मृदा द्रवीकरण की स्थिति बन सकती है। इस प्रक्रिया में जमीन की मजबूती अस्थायी रूप से खत्म हो जाती है और ठोस धरातल तरल की तरह व्यवहार करने लगता है। परिणामस्वरूप इमारतों की नींव खिसक सकती है, पिलर धंस सकते हैं और सड़कें व पाइपलाइन तक क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि तेजी से फैलते शहरीकरण, ऊंची इमारतों के निर्माण और भारी लोड वाले ढांचों की बढ़ती संख्या के बीच यदि निर्माण से पहले भू-तकनीकी परीक्षण (जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन) को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में जोखिम कई गुना बढ़ सकता है। खासतौर पर नदी तट, पुरानी धारा क्षेत्र और भरे गए भूखंडों पर बने प्रोजेक्ट ज्यादा संवेदनशील माने गए हैं।

शोध दल ने यह भी रेखांकित किया है कि भूकंप का असर केवल झटकों की तीव्रता पर निर्भर नहीं करता, बल्कि स्थानीय मिट्टी की प्रकृति, परतों की मोटाई और जल की मात्रा से भी नुकसान का स्तर तय होता है। इसलिए एक ही तीव्रता का भूकंप अलग-अलग क्षेत्रों में अलग स्तर का नुकसान कर सकता है।

रिपोर्ट में विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों और बड़ी निर्माण एजेंसियों को सलाह दी गई है कि भवन नक्शा स्वीकृति से पहले साइट-विशिष्ट मिट्टी परीक्षण, भूकंपीय डिजाइन मानक और ग्राउंड इंप्रूवमेंट उपायों को अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही पुराने बहुमंजिला भवनों, अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक उपयोग की इमारतों का संरचनात्मक ऑडिट कराकर आवश्यक रेट्रोफिटिंग कराने पर भी जोर दिया गया है।

विशेषज्ञों का निष्कर्ष है कि यदि वैज्ञानिक परीक्षण, भूकंपरोधी डिजाइन और जमीन सुधार तकनीकों को सख्ती से लागू किया जाए तो संभावित भूकंपीय आपदा से होने वाले बड़े पैमाने के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यही तैयारी तेजी से बढ़ते मैदानी शहरों की सुरक्षित भविष्य योजना का आधार बनेगी।

हाईलाइट्स

- 6.5+ तीव्रता के भूकंप पर गंगा मैदानी शहरों में ज्यादा नुकसान की आशंका
- कानपुर और प्रयागराज को उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्र के रूप में चिह्नित
- ढीली और जल-संतृप्त मिट्टी में लिक्विफेक्शन (मृदा द्रवीकरण) का खतरा
- लिक्विफेक्शन में जमीन अस्थायी रूप से तरल जैसी हो जाती है
- बहुमंजिला इमारतें, पुल, फ्लाईओवर और औद्योगिक ढांचे ज्यादा संवेदनशील
- ऊंचा भूजल स्तर जोखिम को कई गुना बढ़ाता है
- ग्राउंड इंप्रूवमेंट तकनीक, स्टोन कॉलम, सॉइल कंपैक्शन, डीप फाउंडेशन जरूरी
- भवन निर्माण से पहले विस्तृत जियोटेक्निकल जांच अनिवार्य करने की सिफारिश
- पुराने भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट और रेट्रोफिटिंग कराने पर जोर
- आपदा प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय मिट्टी प्रोफाइल को शामिल करने की सलाह

नोएडा के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

❑ ई-मेल आने के बाद परीक्षाओं के बीच मची अफरातफरी ❑ पुलिस और प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड में आया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नोएडा। शहर के करीब एक दर्जन प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद गुरुवार को पुलिस और प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया। धमकी ऐसे समय दी गई जब स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) की परीक्षाएं चल रही हैं। सूचना मिलते ही संबंधित स्कूलों में अफरातफरी का माहौल बन गया और अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

स्कूल प्रबंधन को भेजे गए ई-मेल में परिसरों को विस्फोट से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। मेल मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीमें, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और स्कूल परिसरों, कक्षाओं, बस पार्किंग, मैदानों तथा आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। सुरक्षा कारणों से कई स्कूलों को एहतियातन खाली कराया गया और छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अब तक की जांच में किसी भी परिसर से संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच में इसे दहशत फैलाने की साजिश या शरारती तत्वों की हरकत माना जा रहा है, फिर भी खतरे को वास्तविक मानते हुए सभी प्रोटोकॉल के तहत कार्रवाई की गई।

धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर सेल को सक्रिय कर दिया गया है। ई-मेल की हेडर डिटेल, आईपी एड्रेस और सर्वर रूट की जांच की जा रही है, ताकि संदेश भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि स्रोत का पता लगते ही कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अभिभावकों और नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अपुष्ट सूचना या अफवाह पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक जानकारी को ही मानें। सभी संबंधित स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था अस्थायी रूप से और कड़ी कर दी गई है।

बिठूर महोत्सव में सुर, साहित्य और लोक रंग का होगा संगम

26 से 28 फरवरी तक बिठूर महोत्सव का होगा आयोजन

» 26 फरवरी को पलाश सेन एवं यूफोरिया बैंड होंगा आकर्षण का केंद्र, भोपाल कत्थक समिति देगी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति

» 27 फरवरी को 11 प्रसिद्ध कवि सजायेंगे काव्य मंच, श्री राम कला केंद्र देगी कर्ण आधारित नाट्य प्रस्तुति

» 28 फरवरी को बुंदेलखंड का पाई डंडा नृत्य, ब्रज की होली, पंजाब का गतका मार्शल आर्ट और उड़ीसा के गोटीपुआ मार्शल आर्ट की होगी प्रस्तुति

» म्यूजिक कंसर्ट एवं बॉलीवुड आधारित संगीत कार्यक्रम में गोपाल एम तिवारी देंगे प्रस्तुति

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक पहचान के लिए विख्यात बिठूर 26 से 28 फरवरी तक तीन दिन तक कला और संस्कृति की जीवंत तस्वीर पेश करेगा। बिठूर महोत्सव इस बार राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों, स्थानीय प्रतिभाओं और विविध सांस्कृतिक विधाओं के संगम के कारण विशेष महत्व रखता है। देशभर में लोकप्रिय रॉक बैंड पलाश सेन एवं यूफोरिया की प्रस्तुति युवाओं को आकर्षित करेगी, जबकि सुप्रसिद्ध गायक गोपाल एम. तिवारी समापन संध्या को संगीत से सजाएंगे। कवि सम्मेलन में दिनेश बावरा, प्रताप फौजदार, शंभु शिखर, राव अजात शत्रु, सबीना अदीब सहित प्रतिष्ठित कवि शिरकत करेंगे। शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति के लिए भोपाल कथक कमेटी और कर्ण आधारित नाट्य मंचन के लिए श्री राम कला केंद्र की भागीदारी आयोजन की गरिमा बढ़ाएगी।

26 फरवरी को विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की नृत्य, रंगोली, स्लोगन और कला प्रतियोगिताओं से महोत्सव की शुरुआत होगी। पारंपरिक स्वागत और दीप प्रज्वलन के बाद बिठूर थीम गीत की प्रस्तुति कार्यक्रम को स्थानीय पहचान से जोड़ेगी।

इसके पश्चात कथक नृत्य और रात्रि में म्यूजिकल नाइट के दौरान पलाश सेन एवं यूफोरिया की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी।

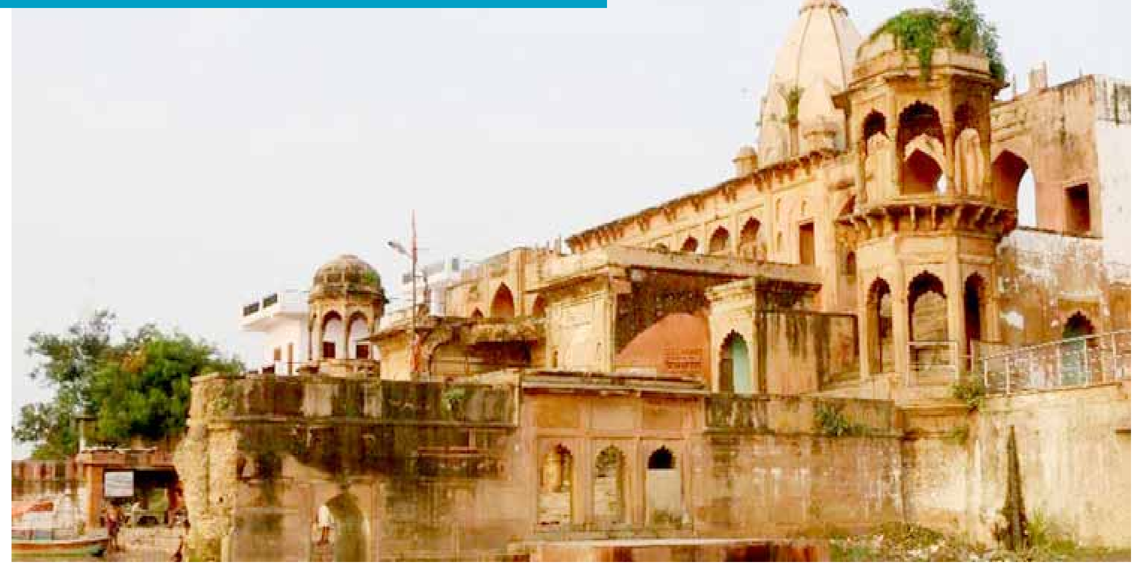

27 फरवरी को युवाओं के लिए बैटल ऑफ बैंड और कानपुर'स गॉट टैलेंट जैसे मंच तैयार किए गए हैं। स्थानीय प्रतिभाओं को बड़े मंच पर प्रस्तुति का अवसर मिलेगा।

शाम को श्री राम कला केंद्र द्वारा कर्ण आधारित नाट्य प्रस्तुति और रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें हास्य, व्यंग्य और ओज की रचनाएं प्रस्तुत की जाएंगी।

28 फरवरी को लोक और शास्त्रीय परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। प्रयागराज सांस्कृतिक केंद्र द्वारा बुंदेलखंड का पाई डंडा, ब्रज की होली, राजस्थानी मांगणियार गायन, पंजाब का गतका और उड़ीसा का गोतिपुआ मंचित किया जाएगा।

संध्या में पत्थर घाट पर गंगा आरती और उसके बाद गोपाल एम. तिवारी का संगीत कंसर्ट महोत्सव का समापन करेगा।

तीन दिवसीय यह आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं, बल्कि बिठूर की ऐतिहासिक पहचान, पर्यटन संभावनाओं और स्थानीय कलाकारों को व्यापक मंच देने का अवसर भी है।

बड़ी संख्या में दर्शकों के आगमन की संभावना को देखते हुए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बिठूर एक बार फिर कला, संस्कृति और संगीत के उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है।

बिना मानचित्र स्वीकृति काटे जा रहे प्लॉट ध्वस्त, 20 बीघा जमीन पर कार्रवाई

पिपौरी में अवैध प्लाटिंग पर केडीए का जबरदस्त प्रहार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध प्लाटिंग और बिना स्वीकृति कराए कराए जा रहे विकास कार्यों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा बुलडोजर अभियान चलाया। प्राधिकरण के जोन-3 प्रवर्तन दल ने गुजैनी थाना क्षेत्र के ग्राम पिपौरी में व्यापक ध्वस्तीकरण कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग को जमींदोज कर दिया।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार लगभग 20 बीघा भूमि पर बिना मानचित्र स्वीकृति के प्लॉट काटे जा रहे थे। स्थल पर सीवर, नाली, सड़क, बिजली और पार्क जैसी बुनियादी सुविधाओं का कोई प्रावधान नहीं किया गया था, इसके बावजूद भूखंडों की बिक्री की जा रही थी। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की अवैध प्लाटिंग से खरीदारों को भविष्य में गंभीर कानूनी और सुविधागत समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कार्रवाई विशेष कार्याधिकारी बृजेन्द्र उपाध्याय, अवर अभियंता अमर नाथ यादव तथा प्रवर्तन टीम की मौजूदगी में की गई। टीम ने मौके पर बने अवैध निर्माण, चिह्नांकन और प्लाटिंग से जुड़े ढांचे को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। साथ ही संबंधित लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई कि बिना प्राधिकरण अनुमति किसी भी प्रकार का विकास कार्य न किया जाए।

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह गरबयाल ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध कॉलोनियों, अनधिकृत प्लाटिंग और नियम विरुद्ध निर्माण के खिलाफ अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि कोई भी भूखंड खरीदने से पहले उसकी वैधता, स्वीकृत मानचित्र और प्राधिकरण से अनुमति की स्थिति अवश्य जांच लें।

भाजपा नेता रामलखन रावत पर कूट रचित पत्रों के आधार पर हुई थी कार्रवाई ?

तात्कालीन बोर्ड सदस्य भाजपा नेता राम लखन रावत ने विकास प्राधिकरण को सौंपा प्रार्थना पत्र, कई बिंदुओं पर सत्यापन की उठाई मांग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भाजपा नेता केडीए बोर्ड सदस्य रहे रामलखन रावत ने प्रशासनिक कार्यवाही पर गंभीर सवाल उठाते हुए कथित रूप से कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर कार्रवाई किए जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने कानपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और अभिलेखों के सत्यापन की मांग की है।

प्रार्थी का कहना है कि वर्ष 2022 में दि लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर नगर के नाम से जारी बताए गए पत्रांक 139/2022 एवं 140/2022 के आधार पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई, जबकि बाद में यह तथ्य सामने आया कि उक्त पत्रों की प्रमाणिकता संदिग्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनगढ़ंत शिकायतों के माध्यम से उन्हें और उनके रिश्तेदार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि एक अन्य शिकायत के आधार पर उन पर भूखंड पर कब्जे का आरोप लगाया गया, जबकि उपलब्ध अभिलेखों से शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को गलत बताया गया। इस प्रकरण में भी निष्पक्ष सत्यापन की मांग की गई है।

भाजपा नेता रामलखन रावत

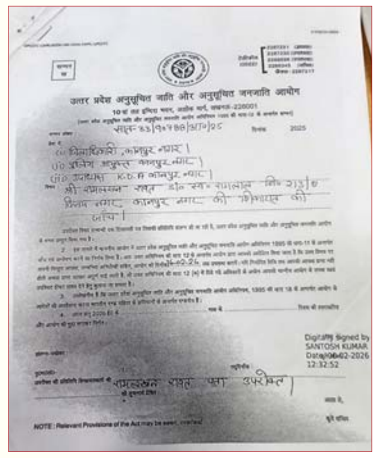
उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग

जे.के. अस्पताल से जुड़े मामले का भी उल्लेख

रामलखन रावत ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री वर्क्स एरिया योजना के अंतर्गत एक भूखंड से संबंधित मामले में दुर्भावनापूर्ण शिकायत कर उन्हें आरोपित किया गया। उन्होंने कुछ अधिकारियों पर सरकारी आचरण नियमावली के विपरीत आचरण और पद के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि एक पत्र में सचिव पदनाम से किसी अन्य व्यक्ति के हस्ताक्षर किए जाने की आशंका है। प्रार्थी ने इस बिंदु पर हस्ताक्षर सत्यापन कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अभिलेखों की विधिवत जांच हो जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है।

एससी आयोग स्तर पर भी भेजी गई शिकायत

प्रार्थी ने बताया कि मामले की शिकायत संबंधित आयोग के समक्ष भी प्रस्तुत की जा चुकी है, जहां से जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए जाने का उल्लेख है। रामलखन रावत ने स्वयं को अनुसूचित जाति वर्ग का बताते हुए कहा कि योजनाबद्ध तरीके से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिसकी भी जांच आवश्यक है। इस संबंध में प्राधिकरण के अधिकारियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सकी है। सूत्रों का कहना है कि शिकायत मिलने पर प्रकरण का परीक्षण नियमानुसार किया जाएगा।

NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED CASTES
GOVT. OF INDIA NCSC

कार की टक्कर से गिरे दो दोस्त, मौके पर मौत

हाईवे पर दर्दनाक हादसा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ मजदूरी कर लौट रहे थे घर, टक्कर के बाद सड़क पर पड़े रहे युवक, गुजरते ट्रकों-वाहनों ने रौंदा

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के हाईवे पर बुधवार रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्त उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद पीछे से आ रहे वाहन उन्हें लगातार कुचलते हुए निकलते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब दस मिनट तक हाईवे पर यह भयावह दृश्य बना रहा और मदद न मिलने से दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार महाराजपुर क्षेत्र के हाथीपुर गांव निवासी 25 वर्षीय राहुल कुशवाहा अपने पड़ोसी और मित्र 35 वर्षीय सोमप्रकाश के साथ शहर से मजदूरी कर रात करीब नौ बजे बाइक से घर लौट रहे थे। दोनों पत्थर लगाने का काम करते थे और रोज की तरह काम खत्म कर वापस गांव जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक रूमा स्थित ऐमा-ड्योढ़ीघाट मोड़ के पास पहुंची, पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक कई फीट दूर हाईवे पर जा गिरे। अंधेरा और तेज यातायात होने के कारण पीछे से आ रहे वाहन चालकों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई वाहन उन्हें रौंदते हुए निकल गए। कुछ राहगीरों ने सड़क पर पड़े क्षत-विक्षत शव देखकर शोर मचाया और वाहनों को रुकवाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शवों को सड़क से हटवाया और यातायात को सामान्य कराया। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार अज्ञात कार की टक्कर से गिरने के बाद पीछे से आ रहे भारी वाहन से कुचलने की पुष्टि हुई है। टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जांच जारी है। घटना की सूचना जैसे ही गांव पहुंची, दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।

यूरोपीय कारोबारियों से करोड़ों की ठगी का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

➪ फर्जी फर्म बनाकर सरिया सौदे के नाम पर करीब दो करोड़ रुपये ठगे, मुंबई-झांसी से तीन आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर समेत अन्य शहरों की प्रतिष्ठित फर्मों के नाम का दुरुपयोग कर साइबर ठगों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। फर्जी फर्म बनाकर यूरोप के कारोबारियों को सस्ते दाम पर सरिया सप्लाई का झांसा दिया गया और उनसे करोड़ों रुपये ऐंठ लिए गए। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक यूरोपीय कारोबारी ने डीसीपी पश्चिम को ई-मेल के जरिए शिकायत भेजी।शिकायत के आधार पर पनकी थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस और साइबर टीम ने जांच शुरू की।

जांच के दौरान जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की गई थी, उनके दस्तावेज और मोबाइल नंबर खंगाले गए। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुंबई से राहुल झांझर और झांसी से दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खातों में 70 लाख रुपये से अधिक की रकम भी बरामद हुई है। तीनों को कानपुर लाया जा रहा है। पीड़ित कारोबारी के मुताबिक, आरोपियों ने 'वर्धमान इंडस्ट्रीज' के नाम से संपर्क कर सस्ते दाम पर सरिया देने का भरोसा दिलाया था। झांसे में आकर उन्होंने करीब दो करोड़ रुपये (डॉलर में) अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। भुगतान के बाद जब माल नहीं पहुंचा तो संपर्क के सभी नंबर बंद मिले।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह संगठित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियां बनाता था और खासतौर पर विदेशी कारोबारियों को निशाना बनाता था, ताकि शिकायत और कार्रवाई में देरी हो। अब तक गिरोह में छह सदस्यों की संलिप्तता सामने आई है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।डीसीपी एसएम कासिम आबिदी के अनुसार, मामले में गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

कानपुर में एक माह से लापता छात्रा पुलिस अभी तक खाली हाथ

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ परिजनों का आरोपः लापरवाही में उलझी जांच, ठोस कार्रवाई नहीं

कानपुर। शहर के हनुमंत विहार क्षेत्र से लापता 17 वर्षीय छात्रा का एक महीने बाद भी कोई सुराग न मिलने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए आरोप लगाया है कि शिकायत के बावजूद मामले में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। परिवार ने छात्रा की सकुशल बरामदगी के लिए उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है।

राजेंद्र नगर, नौबस्ता निवासी इंटरमीडिएट की छात्रा निष्ठा शुक्ला उर्फ गौरी 19 जनवरी 2026 को शाम करीब तीन बजे कोचिंग के लिए घर से निकली थी। परिजनों के अनुसार वह सामान्यतः साढ़े चार बजे तक घर लौट आती थी, लेकिन उस दिन वापस नहीं आई। देर तक इंतजार के बाद जब मोबाइल फोन मिलाया गया तो वह बंद मिला।

परिजन तुरंत कोचिंग सेंटर पहुंचे और शिक्षकों व छात्रों से पूछताछ की, लेकिन कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। इसके बाद रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया गया, फिर भी छात्रा का कोई पता नहीं चल सका। मामले में परिजनों ने हनुमंत विहार थाना में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। पिता नीरज शुक्ला का आरोप है कि कोचिंग से जुड़े कुछ लड़कों और अन्य संदिग्ध लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका है। उन्होंने बेटी की जान को खतरा बताते हुए सख्त धाराओं में कार्रवाई की मांग की है परिजनों का यह भी कहना है कि एक महीना बीतने के बावजूद न तो कोई गिरफ्तारी हुई और न ही कोई निर्णायक सुराग मिला। उनका आरोप है कि पुलिस ने शुरुआती दिनों में सक्रियता नहीं दिखाई, जिससे जांच कमजोर पड़ गई। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और हमीरपुर से जुड़े कुछ इनपुट मिले हैं। कानपुर और हमीरपुर की संयुक्त टीमें जांच में लगी हैं। अधिकारियों ने जल्द बरामदगी का भरोसा दिया है, लेकिन अब तक परिणाम न आने से परिवार और स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

100 बेड अस्पताल को चालू कराने की मांग को लेकर सदबुद्धि यज्ञ

» पुलिस पर अवरोध का आरोप

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

दक्षिण कानपुर में पिछले 1 साल से बना खड़ा है अस्पताल

कानपुर। दक्षिण क्षेत्र के नौबस्ता स्थित निर्मित 100 बेड वाले अस्पताल को शीघ्र चालू कराने की मांग को लेकर समाजवादी युवजनसभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्पित यादव तथा यूथ ब्रिगेड के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव बंटी यादव के नेतृत्व में सदबुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यज्ञ के दौरान पुलिस प्रशासन ने पहुंचकर हवन-पूजन में अवरोध उत्पन्न किया और कार्यक्रम को बाधित करने का प्रयास किया।

आयोजकों ने बताया कि करीब 1 वर्ष पहले अस्पताल का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक इसे संचालित नहीं किया गया है। इसके कारण दक्षिण क्षेत्र की बड़ी आबादी को इलाज के लिए दूर स्थित अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मरीजों को कांशीराम अस्पताल, उर्सला अस्पताल और एलएलआर अस्पताल तक पहुंचने के लिए लगभग 10-15 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, जहां जाम में फंसने के कारण कई बार मरीजों की हालत गंभीर हो जाती है।

नेताओं ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से अस्पताल शुरू होने की प्रतीक्षा कर रही है, लेकिन सरकार की उदासीनता के चलते लोगों में नाराजगी है। इसी के विरोध में सोई हुई सरकार को जगाने के उद्देश्य से सदबुद्धि यज्ञ किया गया।

यज्ञ में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द अस्पताल चालू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अंतिम दौर में बड़ा उलटफेर, अध्यक्ष बने योगेन्द्र अवस्थी महामंत्री विनय मिश्रा

अध्यक्ष पद पर योगेन्द्र अवस्थी ने 62 वोटों से दिनेश शुक्ल को हराया, देर रात घोषित हुआ परिणाम

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष और महामंत्री पद पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अध्यक्ष पद के लिए मतगणना के अंतिम चरण में योगेन्द्र कुमार अवस्थी 'लल्लन' ने बाजी पलटते हुए दिनेश कुमार शुक्ल को 62 मतों से पराजित कर जीत हासिल की। वहीं महामंत्री पद पर बिनय कुमार मिश्रा ने शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए सुशील कुमार सिंह को 82 वोटों से हराया।बुधवार को बार एसोसिएशन कार्यालय के ऊपरी मंजिल स्थित राम अवतार महाना हाल में मतगणना तय समय सुबह 10 बजे से लगभग एक घंटे की देरी से शुरू हुई। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों की निगरानी में प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों के सामने सील मतपेटियां खोली गईं और मतपत्रों को अलग-अलग किया गया। यह प्रक्रिया शाम करीब चार बजे तक चली, जिसके बाद मतों की गिनती शुरू हुई।महामंत्री पद का परिणाम सबसे पहले करीब पौने नौ बजे घोषित किया गया, जिसमें बिनय कुमार मिश्रा को विजयी घोषित किया गया। इसके बाद कचहरी परिसर के बाहर उनके समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी और आतिशबाजी कर जश्न मनाया। पुलिस सुरक्षा में उन्हें मतगणना स्थल से बाहर लाकर घर भेजा गया।करीब आधे घंटे बाद अध्यक्ष पद का परिणाम घोषित हुआ, जिसमें योगेन्द्र अवस्थी 'लल्लन' को विजेता घोषित किया गया। बाहर पहले से मौजूद समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और जोरदार नारेबाजी की। भावुक हुए अवस्थी को पुलिस सुरक्षा में घर तक पहुंचाया गया।एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन उमाशंकर गुप्ता ने बताया कि सभी प्रत्याशियों के सहयोग से मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। भारतीय पूर्व सैनिक संघ के संयोजक सूबेदार मेजर केके सिंह के निर्देशन में 25 सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों ने पूरी प्रक्रिया को संपन्न कराया। गुरुवार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मंत्री और संयुक्त मंत्री प्रशासन पदों के लिए मतगणना होगी।

मस्जिदों में शुरू हुई तरावीह, नसीम सोलंकी बोलीं- सभी की दुआओं से तीन साल बाद खुशियां घर लौटी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रमजान का चांद बुधवार को नजर आते ही मुस्लिम समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। चांद दिखाई देते ही लोग एक-दूसरे को मुबारकबाद देने लगे। इसके साथ ही हलीम मुस्लिम ग्राउंड में ईशा की नमाज के बाद तरावीह अदा की गई। यहां सातवें रोजे तक तरावीह पढ़ी जाएगी। गुरुवार यानी आज से मुस्लिम समाज के लोगों ने रोजा रखना शुरू किया। इस मौके पर कानपुर नगर के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी व विधायक पत्नी नसीम सोलंकी ने एक वीडियो सोशल मीडियो पर पोस्ट करते हुए सभी को रमजान की मुबारकबाद दी है। साथ ही कहा कि सभी की दुआओं से घर में तीन साल बाद खुशियां लौटी हैं, क्योंकि इरफान सोलंकी आगजनी मामले में तीन साल से महाराजगंज जेले में बंद थे। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद इरफान इस साल रमजान पर अपने परिवार के साथ घर पर हैं।वहीं बाजारों में रौनक रही, लोग खजूर, सेंवई और सूतफेनी की खरीदारी करते दिखे। शहरकाजी मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही ने बताया कि रमजान में ईशा की नमाज के बाद तरावीह होती है, जिसमें कुरानी की तिलावत की जाती है। अल्लाह के करीब जाने का जरिया बनती है। नायब शहरकाजी कारी सगीर आलम हबीबी ने कहा कि रमजान का मुख्य उद्देश्य इबादत, संयम, समानता, खिदमत और प्यार है। ये महीना हमें सच्चाई और उस रब के बताए रास्ते पर चलने का तरीका बताता है।

विधानसभा अध्यक्ष के घर से 250 मीटर दूर हुई चोरी

कानपुर। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के लाल बंगला स्थित घर से महज 250 मीटर की दूरी पर नकदी समेत एक लाख के गहने चोरी हो गए। घर में रहने वालीं बुजुर्ग महिला करीब चार माह पहले कानपुर देहात स्थित भतीजे के यहां गई थीं। बुधवार को लौटने पर उन्हें वारदात की जानकारी हुई। पुलिस ने मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लाल बंगला फूल वाली गली निवासी मनोरमा गुप्ता के पति मूलचंद गुप्ता का 12 वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। वह घर पर अकेली रह रही थीं। पिछले साल 14 अक्तूबर को उन्हें कुत्तों ने काट लिया था जिसके बाद रनियां निवासी भतीजा सुनील गुप्ता उन्हें साथ लेकर चले गए थे। तबसे उनके घर में ताला लगा हुआ था।

सम्पादकीय

यौन हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशील व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है।

बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है। निश्चित रूप से न्यायिक प्रक्रिया को न्याय के नैसर्गिक नियमों के अनुरूप ही व्यवहार करना चाहिए।

किसान चेतना के युगपुरुष स्वामी सहजानंद सरस्वती

प्रो. दिनेश चन्द्र राय, कुलपति, बीआर अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार

लेखक परिचय-: गाजीपुर के मूल निवासी और प्रतिष्ठित बीएचयू के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. दिनेश चन्द्र राय वर्तमान में बीआर अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के कुलपति हैं। प्रो. राय कृषि विज्ञान के प्रख्यात विद्वान और ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक विषयों के समर्पित चिंतक हैं।

आगामी 22 फरवरी को राष्ट्र भारतीय किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की 137वीं जयंती मनाएगा। गाजीपुर की धरती पर जन्मे और मुजफ्फरपुर में अपनी अंतिम सांस लेने वाले स्वामी जी का जीवन भारतीय कृषि और कृषक समाज के उत्थान का एक जीवंत दस्तावेज है। एक संन्यासी का वैराग्य जब समाज के अंतिम व्यक्ति की पीड़ा से जुड़ता है, तो वह क्रांतिकारी परिवर्तन का आधार बनता है। स्वामी सहजानंद का जीवन इसी सत्य का प्रमाण है। मुजफ्फरपुर स्थित बीआर अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति और गाजीपुर का मूल निवासी होने के नाते, मेरे लिए यह अवसर मात्र एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि एक गहरा शैक्षणिक और सामाजिक दायित्व है।1889 में नौरंग राय के रूप में जन्मे स्वामी जी ने सन्यास की कठोर दीक्षा ली थी, किंतु उनका अध्यात्म केवल व्यक्तिगत मोक्ष तक सीमित नहीं रहा।

उन्होंने अपनी तपस्थली के रूप में बिहार के उन शोषित खेतों और पीड़ित बस्तियों को चुना जहां सामंती व्यवस्था का प्रभाव था। उनके जीवन दर्शन में बड़ा मोड़ 1934 के विनाशकारी बिहार भूकंप के समय आया। जब जनता प्राकृतिक आपदा से त्रस्त थी, तब भी लगान वसूली की प्रक्रिया थमी नहीं थी। इसी क्षण स्वामी जी ने सक्रिय प्रतिरोध का मार्ग चुना। उन्होंने महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत के स्थान पर किसानों के सीधे और संगठित संघर्ष को प्राथमिकता दी, जो उस समय के किसान आंदोलनों के लिए एक नई दिशा थी।स्वामी जी की दूरदर्शिता का ही परिणाम था कि 1929 में बिहार प्रांतीय किसान सभा और 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा जैसे संगठनों की स्थापना हुई। इन मंचों ने अनाम किसान को न केवल राजनीतिक पहचान दी, बल्कि उसे एक संगठनात्मक शक्ति भी प्रदान की। बकाश्त आंदोलन के जरिए उन्होंने बेदखली की व्यवस्था के विरुद्ध जो लड़ाई लड़ी, उसी का परिणाम था कि तत्कालीन सरकार को बिहार टेनेंसी एक्ट में संशोधन के लिए विवश होना पड़ा। उनका ऐतिहासिक उद्घोष–कैसे लोगे मालगुजारी, लठ हमारा जिंदाबाद–आज भी किसान अस्मिता और न्याय का प्रतीक माना जाता है।उनका संघर्ष केवल आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक प्रखर विचारक भी थे। कारावास के दौरान भी उन्होंने निरंतर सृजनात्मक लेखन किया। उनकी आत्मकथा मेरा जीवन संघर्ष ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को समझने के लिए एक प्रामाणिक आधारशिला है। उन्होंने खेत मजदूर जैसी कृतियों के माध्यम से भूमिहीन किसानों की समस्याओं को मुख्यधारा की चर्चा में उस समय लाया जब उनकी आवाज सुनने वाला कोई न था। उन्होंने भगवद्गीता की व्याख्या जन-कल्याण के कर्मयोग के रूप में की, जिससे प्रभावित होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें जनता का आदर्श कहा था।स्वामी सहजानंद सरस्वती के विचार आज के दौर में क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान हेतु एक सशक्त दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं। उनके द्वारा समर्थित सहकारी कृषि और संगठनात्मक एकता के विचार वर्तमान में किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से साकार हो रहे हैं,

जो छोटे और सीमांत किसानों को बाजार की शक्तियों से लड़ने की सामूहिक शक्ति प्रदान करते हैं। आज जब हम कृषि क्षेत्र में विज्ञान, शोध और आधुनिक तकनीक की बात करते हैं, तो स्वामी जी के विचार हमें याद दिलाते हैं कि कोई भी तकनीक तब तक सफल नहीं है जब तक वह हल चलाने वाले अंतिम व्यक्ति को सशक्त न बनाए। बक्सर के खेतों से लेकर गाजीपुर के गांवों तक, उनकी विरासत आज भी प्रेरणा का स्रोत है। 137वीं जयंती के अवसर पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम कृषि और ग्रामीण विकास के उनके स्वप्न को धरातल पर उतारें।

भावनाओं को भड़काने वाली लोकतांत्रिक प्रवृत्ति पर कैसे पाएंगे काबू

हिंसा-प्रतिहिंसा

पुष्परंजन

कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है।दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाला जनतांत्रिक भारत आज जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली ब्रितानी व मुगलिया सियासत के चक्रव्यूह में फंसा पड़ा है। इससे सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया जैसी उसकी उदात्त सोच भी कटघरे में खड़ी प्रतीत हो रही है।

यहां की प्रतिभाशाली और प्रभुत्ववाली सामान्य जातियों (सवर्णों) के खिलाफ देश में जो लक्षित पूर्वाग्रही राजनीति कथित दलित-ओबीसी नेताओं के द्वारा की जा रही है, उससे देश व समाज के सामने विभिन्न नैतिक व वैधानिक सवाल उठ खड़े हुए हैं! हैरत की बात है कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की जगह बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के नारे लगाए जाते हैं। कहीं जाति, कहीं धर्म और कहीं भाषा-क्षेत्र के नाम पर लोगों के उत्पीड़न हो रहे हैं। वहीं कहीं सामाजिक न्याय आधारित आरक्षण और साम्प्रदायिक सोच आधारित अल्पसंख्यकवाद के अव्यवहारिक पहलुओं को हवा देकर आमलोगों को उल्लू बनाया जा रहा है। आलम यह है कि ऐसे करने वाले नेता, उनके हमकदम मस्त हैं, जबकि आमलोग त्रस्त हैं। हद तो यह कि हमारे संविधान के संरक्षक अनर्गल दलीलें देकर मानवता की गला घोंट रहे हैं, जबकि यही प्रवृति कतिपय संविधान निर्माताओं में भी दिखी थी। वहीं आज के कथित रखवाले जन्मांध

%धृतराष्ट्र% की भूमिका निभा रहे हैं।इनके जैसे ही नेताओं की खामोशी से जहां 1947 में साम्प्रदायिक विभाजन हुआ, वहीं इनके षडयंत्र से आजादी के बाद से ही जातीय, क्षेत्रीय व नवसंप्रदायिक विभाजन की प्रवृत्ति हावी होती दिख रही है, जो आज भी जारी है। ऐसे में एक और महाभारत छिड़ना तय है। पुनः विभाजन होना तय है। इतिहास साक्षी है कि जब कभी भी महाभारत होता है तो संख्याबल पर बुद्धिबल ही भारी पड़ती है और आगे भी यही होगी। कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है। इसलिए इनसे जुड़े राजनीतिक हथकंडों और उन्हें शह देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को यदि समय रहते ही नहीं बदला गया ऐसा इसलिए कि जातिवादी कैंसर, सांप्रदायिक एड्स और क्षेत्रवादी तपेदिक (टीबी) से शांतिप्रिय व सहनशील भारतीय समाज सदियों से ग्रसित है, लेकिन बीती सदी में इन्हें एक कानूनी स्वरूप देकर स्थिति को जटिल चुनौती बना दी गई है। किसी समूह के इतिहास को साक्षी मानकर उनके वर्तमान को रौंदने की जो सियासी प्रवृत्ति भारत में हावी है, उससे सामान्य व कथित सवर्ण जातियों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए समावेशी संवैधानिक प्रावधानों, हिंसा-प्रतिहिंसा पर समान कानूनी सख्ती और सामाजिक जागरूकता के संयोजन से ही अब इस जटिल स्थिति से निबटना संभव है, लेकिन हमारी सियासी सोच इसके विपरीत है। वह आज भी विदेशी फूट डालो, शासन करो पर केंद्रित है। लिहाजा, कतिपय कानूनी उपाय अपेक्षित हैं।

पहले चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए, तथा की धारा 153 (समूहों के बीच शत्रुता फैलाना), 295 (धार्मिक भावनाएं ठेस पहुंचाना) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 123(3) के तहत तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही मौजूदा कानूनों को और सख्त बनाकर, जैसे नफरत भरी भाषा पर त्वरित गिरफ्तारी और पार्टी मान्यता रद्द करने का प्रावधान जोड़ना, ऐसे हथकंडों पर अंकुश लग सकता है।लगे हाथ संस्थागत सुधार के लिए भी समवेत कदम उठाने होंगे।

हाईटेक निगरानी के बीच 19 केंद्रों पर चल रही यूपी बोर्ड परीक्षा

पहले दिन इंटरमीडिएट के 12 और हाईस्कूल के 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का आगाज बुधवार को बिल्हौर, चौबेपुर और शिवराजपुर, ककवन ब्लॉक क्षेत्र के 19 केंद्रों पर चाक-चौबंद सुरक्षा इंतजामों के बीच हुआ। पहले ही दिन प्रशासन ने साफ कर दिया कि परीक्षा की शुचिता से कोई समझौता नहीं होगा। परीक्षा के दूसरे दिन गुरुवार को सुबह से ही केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की कतारें लग गईं। निर्धारित समय से आधा घंटा पहले पहुंचने वाले छात्रों की

➪ एसडीएम ने प्रशासनिक अमले के साथ परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

गेट पर सघन तलाशी ली गई। प्रवेश पत्र और पहचान पत्र का मिलान करने के बाद ही कक्षाओं में बैठाया गया। सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर कंट्रोल रूम से जोड़ा गया, जहां से लगातार लाइव मॉनिटरिंग होती रही।

प्रश्नपत्र निर्धारित समय पर केंद्र व्यवस्थापकों की मौजूदगी में कैमरों की निगरानी में खोले गए। गिनती के बाद कक्षावार वितरण किया गया। परीक्षा के दौरान बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित व तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने प्रशासनिक अमले के साथ कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम और परीक्षा कक्षों की जांच कर व्यवस्थाएं परखी। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल दी जाए।

जांच के लिए उड़नदस्ते सक्रिय

क्षेत्र में करीब 16 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। पहले दिन इंटर के 12 और हाईस्कूल के 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अन्य सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न हुई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरी परीक्षा अवधि में उड़नदस्ते सक्रिय रहेंगे और प्रतिदिन औचक निरीक्षण किए जाएंगे, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।

केंद्रों के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा

बोर्ड परीक्षा के पहले दिन केंद्रों के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन माहौल में संपन्न हो सके। केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को नहीं लगने दिया गया। अभिभावकों को निर्धारित दूरी पर रोका गया, जबकि प्रवेश द्वार पर सघन तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने दिया गया। अधिकारियों ने दिनभर व्यवस्थाओं की निगरानी की।

आलू पर एमएसपी लागू न करने पर आंदोलन का अल्टीमेटम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। आलू उत्पादक क्षेत्र बिल्हौर में फसल का वाजिब मूल्य न मिलने से किसान परेशान हैं। इसी मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और आलू की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

किसानों का कहना है कि खाद, बीज, सिंचाई, दवा, मजदूरी और भंडारण मिलाकर प्रति कुंतल लागत 500 रुपये से अधिक पड़ रही है, जबकि बाजार भाव इससे कम मिल रहा है। ऐसे में लागत निकलना भी मुश्किल

➪ कम से कम 1000 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीद सुनिश्चित करने की मांग

हो गया है। सपा नेता ने सरकार से कम से कम 1000 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना है कि क्षेत्र की बड़ी आबादी आलू खेती पर निर्भर है और उचित दाम न मिलने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने बिल्हौर में कृषि मंडी स्थापित करने, किसान रेल सुविधा शुरू करने और आलू आधारित प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की भी मांग की। चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो पार्टी किसान हित में आंदोलन करेगी।

इलाज के दौरान मासूम की मौत नर्सिंग होम पर लापरवाही का आरोप

पोस्टमार्टम के बाद शव रखकर परिजनों का प्रदर्शन, जांच में जुटी पुलिस व स्वास्थ्य विभाग

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर) चौबेपुर कस्बे में एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान आठ वर्षीय बच्ची की मौत से हड़कंप मच गया। नाराज परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।भट्ठा कोठी निवासी पिता के मुताबिक तेज बुखार पर बच्ची को नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। जांच में प्लेटलेट्स कम बताए गए।

आरोप है कि हालत सामान्य बताकर छुट्टी देने के बाद शाम को लगाए गए इंजेक्शन के कुछ मिनट बाद ही बच्ची की तबीयत बिगड़ गई।परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले जाने निकले, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बुधवार को पुलिस में शिकायत के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। गुरुवार को कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट मांगी गई है।

थाना गेट व टेम्पो स्टैंड पर हंगामा, दो गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। थाना गेट और पेट्रोल पंप के पास टेम्पो स्टैंड पर अलग-अलग विवाद में दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक युवक ने थाना गेट पर फौजदारी की स्थिति बनाई, जबकि दूसरे ने नशे में टेम्पो चालकों व राहगीरों से झगड़ा कियासे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे शांत नहीं हुए और हंगामा करते रहे। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने शांति व्यवस्था के मद्देनजर धारा 170 बीएनएस में चालान कर दोनों को हिरासत में लिया और कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

लोकप्रिय महापौर प्रमिला पाण्डेय की

विवाहोत्सव की 50वीं वर्षगांठ भव्य ढंग से मनाई गई

50 साल बेमिसाल...!

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर की लोकप्रिय महापौर प्रमिला पाण्डेय की विवाहोत्सव की 50वीं वर्षगांठ 18 फरवरी 2026 को मोतीझील स्थित लाजपत भवन में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूरा परिसर नवविवाह समारोह की तरह आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया था, जहाँ पाण्डेय दम्पत्ति ने परिवार और शुभचिंतकों के साथ अपने वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने की खुशियां साझा कीं।

» तमाम गणमान्य हस्तियों ने कार्यक्रम में की शिरकत

प्रमिला पाण्डेय का विवाह लगभग 50 वर्ष पूर्व लक्ष्मी शंकर पाण्डेय के साथ सम्पन्न हुआ था। स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उनके ज्येष्ठ पुत्र अमित पाण्डेय उर्फ बंटी, अनूप पाण्डेय, अनुराग पाण्डेय एडवोकेट तथा पौत्र-पौत्रियों सहित पूरे परिवार ने समारोह का भव्य आयोजन किया।कार्यक्रम में दम्पत्ति नवदम्पत्ति की तरह सजे मंच पर उपस्थित रहे और अतिथियों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान कानपुर ही नहीं, आसपास के जनपदों से भी जनप्रतिनिधि, पार्षद, विधायक, सांसद तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुँचकर दोनों के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

प्रमिला पाण्डेय मूल रूप से जौनपुर जनपद की रहने वाली हैं। विवाह के बाद कानपुर को कर्मभूमि बनाते हुए उन्होंने यहीं से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया और नगर की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण पहचान स्थापित की। समारोह में पूरे समय उत्सव और पारिवारिक आत्मीयता का वातावरण बना।

काली पट्टी बांधकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सत्याग्रह

प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री माफी मांगो के नारे लगाए गए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा के सामने सत्याग्रह प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और मुख्यमंत्री से माफी की मांग करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शन मनरेगा से छेड़छाड़ और लखनऊ में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने रामधुन गाई और गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मनरेगा योजना में बदलाव कर मजदूरों के अधिकारों को प्रभावित कर रही है। साथ ही लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की निंदा की गई।महानगर अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम गरीब और मजदूर वर्ग की जीवनरेखा है और इससे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना गलत है और इससे सरकार की सोच उजागर होती है। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरों का बकाया भुगतान लंबित है, जिसे तुरंत जारी किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान ÷मुख्यमंत्री माफी मांगो÷ और ÷तानाशाही बंद करो÷ जैसे नारे लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन महानगर उपाध्यक्ष

केंद्रीय विद्यालय आईआईटी में मनाया विश्व चिंतन दिवस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। केंद्रीय विद्यालय आईआईटी में लॉर्ड बेडेन पॉवेल एवम लेडी बेडेन पॉवेल का जन्मदिन चिंतन दिवस गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। हालांकि यह चिंतन दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 22 फरवरी को मनाया जाता है । कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य रवीश चंद्र पांडे ने दीप प्रज्जवलित कर किया । यहां स्काउट गाइड प्रार्थना, झंडा गान का सस्वर गायन किया गया ।कार्यक्रम के प्रभारी सोनू बैरवा और सहयोगी वंदना राठौर, श्रीमती अंजलि मिश्रा, श्रीमती अंजलि कमल, श्री रणजीत मौर्य के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया । समस्त शिक्षकों ने सर्वधर्म प्रार्थना में प्रतिभाग लिया। प्रियंका तिवारी ने इस कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं को इस वर्ष की थीम %हमारी दोस्ती% के बारे में बताया तथा इस अंतरराष्ट्रीय आंदोलन के बारे में भी विचार प्रकट किया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य के प्रेरणादायक भाषण के द्वारा हुआ। सभा की समाप्ति पर राष्ट्रगान में सभी सम्मानपूर्वक खड़े हुए और साथ में गायन किया।

चुनाव 2027: बदले समीकरण, लौटते चेहरे और कड़ा मुकाबला, किसके हाथ जाएगी बाज़ी?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दो बार कमल, एक बार साइकिल, महिला प्रतिनिधित्व का प्रभाव और पुराने दिग्गज की वापसी से बढ़ी सियासी गर्मी

कानपुर देहात। रसूलाबाद की विधानसभा सीट 2027 के चुनाव से पहले ही राजनीतिक विश्लेषण का केंद्र बन चुकी है। 2012 में अस्तित्व में आई इस सीट ने कम समय में बदलते जनादेश, दल-बदल और उम्मीदवार आधारित वोटिंग का ऐसा मिश्रण दिखाया है, जो इसे प्रदेश की दिलचस्प सीटों में खड़ा करता है। अब तक यहां दो बार भारतीय जनता पार्टी और एक बार समाजवादी पार्टी जीत दर्ज कर चुकी है यानी मतदाता किसी एक दल से स्थायी रूप से बंधे नहीं दिखते।

2012 में पहली बार बने इस क्षेत्र में सपा के कद्दावर नेता शिवकुमार बेरिया ने जीत हासिल की थी और बाद में सरकार में मंत्री भी बने। 2017 में टिकट पुनर्संतुलन और स्थानीय असंतोष ने सपा की पकड़ ढीली कर दी। उसी चुनाव में भाजपा ने संगठन विस्तार और सामाजिक समीकरण के सहारे बढ़त बनाई। 2022 में भी भाजपा ने प्रत्याशी बदलकर जीत दोहराई।

दिलचस्प पहलू यह भी है कि इस सीट ने दो महिला विधायकों को विधानसभा भेजा है। इससे महिला प्रतिनिधित्व और स्थानीय सामाजिक समूहों की भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, बहुजन समाज पार्टी के कई नेता समय–समय पर दल बदलकर भाजपा में गए, जिसने मुकाबले को त्रिकोणीय होने से रोककर सीधे द्वंद्व में बदला।

कांग्रेस यहां पिछले चुनावों में प्रभावी चुनौती खड़ी नहीं कर सकी, जो विपक्षी वोट के बिखराव का भी कारण रहा।

अब 2027 से पहले सभी दल सर्वे, बूथ समीक्षा और जातीय गणित के नए फार्मूले पर काम कर रहे हैं।

भाजपा अपनी लगातार जीत का मनोवैज्ञानिक लाभ बनाए रखना चाहती है, जबकि सपा बेरिया की सक्रिय वापसी से खोया आधार फिर जोड़ने की कोशिश में है। बसपा भी चुपचाप संगठन पुनर्गठन में लगी बताई जा रही है।

समीक्षात्मक नजर से देखें तो रसूलाबाद में मुद्दों से ज्यादा चेहरे और समीकरण चुनावी परिणाम तय करते रहे हैं।

यदि विपक्ष साझा रणनीति नहीं बनाता, तो भाजपा को बढ़त मिल सकती है; लेकिन स्थानीय असंतोष और मजबूत प्रत्याशी पूरी तस्वीर बदलने की क्षमता भी रखते हैं। यही अनिश्चितता इस सीट को 2027 में बेहद रोमांचक बनाती

2012 में बने विधायक शिवकुमार बेरिया

2017 में बनीं विधायक निर्मला संखवार

2022 में विधायक बनीं पूनम संखवार

औषधीय पौधों से सजी अनोखी बगिया बनी स्वास्थ्य का केन्द्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» झींझक क्षेत्र में रामकृष्ण का हर्बल बाग बना आकर्षण का विषय

» देशी औषधियों से निश्शुल्क उपचार, दूर-दराज से पहुंच रहे लोग

कानपुर देहात। प्राचीन काल से ही वनस्पति आधारित औषधियों का भारतीय चिकित्सा पद्धति में विशेष महत्व रहा है। इन्हीं परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए झींझक क्षेत्र के किशौरा गांव में विकसित एक हर्बल बाग आज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। औषधीय गुणों से भरपूर इस बाग की जड़ी-बूटियां लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही हैं और जरूरतमंदों को यहां निःशुल्क औषधि उपलब्ध कराई जा रही है।

किशौरा गांव निवासी बुजुर्ग रामकृष्ण द्वारा विकसित राम बाग औषधीय पौधों का जीवंत भंडार बन चुका है।

करीब ढाई बीघा भूमि में फैले इस बाग में अनेक प्रकार की जड़ी–बूटियां और औषधीय पौधे लगाए गए हैं, जिनसे कई लोग लाभान्वित हो रहे हैं। क्षेत्र के लोग उन्हें स्नेहपूर्वक देशी वैद्य के रूप में भी जानते हैं।इस बाग में हरसिंगार, गुर्ज, एलोवेरा, दुधारा, नागफनी सहित कई औषधीय पौधे मौजूद हैं। विभिन्न रोगों में उपयोगी ये पौधे लोगों की पीड़ा दूर करने में सहायक साबित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के साथ–साथ आसपास के जिलों और देश के बड़े शहरों से भी लोग यहां औषधीय पौधों की जानकारी और उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। रामकृष्ण ने वर्ष 2001 में इस हर्बल बाग की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में सीमित पौधों से शुरू हुआ यह प्रयासआज एक बड़े औषधीय उद्यान का रूप ले चुका है। समय के साथ पौधों की संख्या और प्रजातियां बढ़ती गईं, जिससे बाग की पहचान भी व्यापक होती चली गई।

पिता से मिली प्रेरणा

औषधीय खेती की प्रेरणा उन्हें अपने पिता स्वर्गीय देशराज से मिली। उन्होंने पिता के मार्गदर्शन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और उसी दिशा में निरंतर कार्य करते रहे। योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य करने वाले बाबा रामदेव से भी वे प्रेरित बताए जाते हैं। इंटरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद रामकृष्ण पूरी तरह इस कार्य में जुट गए। आर्थिक कठिनाइयों के समय उनकी शिक्षिका पत्नी राजेश्वरी ने भी पूरा सहयोग दिया और पौधों की खरीद व रोपण के लिए आर्थिक मदद की। परिवार का भी उन्हें निरंतर समर्थन मिलता रहा। आज यह हर्बल बाग न केवल औषधीय पौधों का केंद्र है।

बल्कि प्राकृतिक चिकित्सा और लोकसेवा का प्रेरक उदाहरण भी बन गया है।

होली-रमजान को लेकर सख्ती

जबरन रंग डालने और नशे में घूमने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी

» पीस कमेटी बैठक में सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने दिए निर्देश, सीसीटीवी, गश्त और डीजे पर नियंत्रण पर जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। होली और रमजान के त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सदर कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी पर जबरन रंग डालने, शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों पर घूमने और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह सोलंकी ने कहा कि जहां-जहां होली स्थल चिन्हित हैं, वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। उन्होंने व्यापारियों और मोहल्ला प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि त्योहार घर और निर्धारित स्थानों पर ही मनाएं। सड़क पर अतिक्रमण कर सामान रखने पर चालान किया जाएगा। व्यापारी नेता अनुपम रस्तोगी ने पुलिस को सहयोग का भरोसा देते हुए सुझाव दिया कि नशे में पाए जाने वाले लोगों को शाम तक कोतवाली में रोका जाए, ताकि माहौल न बिगड़े।

उन्होंने होली की रात जुआ खेलने पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि अधिकांश विवादों की जड़ जुआ होता है।सूफी संत पप्पन मियां ने सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि देर रात डीजे और हंगामा करने वालों पर रोक लगे तथा पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। इस पर सीओ सिटी ने कहा कि रात 10 बजे के बाद बिना अनुमति डीजे नहीं बजेगा और गश्ती व्यवस्था मजबूत रहेगी। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सदानंद शुक्ला ने कहा कि निर्दोष लोगों को अनावश्यक रूप से न पकड़ा जाए, जबकि सभासद श्याम सुंदर वर्मा ने सक्रिय पुलिस गश्त की आवश्यकता बताई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे तथा मोहल्लों तक निर्देश पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

मारपीट से क्षुब्ध पूर्व प्रधान ने आत्महत्या का किया प्रयास

पूर्व प्रधान के साथ की गई मारपीट,सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिवली कानपुर देहात। बैरी सवाई चौराहे के पास सड़क पर पड़ी बल्लियां हटाने को कहने पर दबंगों ने पूर्व ग्राम प्रधान पर लाठी डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने 13 नामजद समेत आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

शिवली थाना क्षेत्र के नुनारी बहादुरपुर औनहां ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह अपने साथी बरियन निवादा गांव सभा के पूर्व प्रधान प्रवीण कुमार राजपूत के साथ बाइक से बैरी सवाई गांव गया था। वहां से वापस जाते समय चौराहे के पास स्थित हनीफ मोहम्मद के मकान के सामने सड़क पर पड़ी बल्लियों को देख उसने बाइक खड़ी कर दी और हनीफ से बल्लियां हटाने के लिए कहा तो वह गाली गलौज करने लगा। जिसे देख हनीफ के परिवार के लोग एकत्रित हो गए। गाली गलौज करने का विरोध करने पर हनीफ मोहम्मद, रज्जाक , यूनुस , जाकिर, जावेद, तौफीक ,साहिल , तौहीक , भोलू , इरफान, अकरम , आरिफ एवं आधा दर्जन अज्ञात लोगों ने लाठी डंडों से हमला कर वीरेंद्र कुमार तिवारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही शिवली कोतवाल प्रवीण कुमार यादव, बाघपुर चौकी प्रभारी योगेश शर्मा के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, सीओ आलोक कुमार, रनिया तथा रसूलाबाद पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया तथा एहतियात के तौर पर घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया ।वहीं घटना से क्षुब्ध ग्राम प्रधान वीरेंद्र कुमार तिवारी ने दोपहर बाद घर पहुंच बाथरूम का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद स्वजनों द्वारा आवाज देने के बाद कोई जवाब न मिलने पर दरवाजा तोड़कर उसे फांसी के फंदे से उतार कर तत्काल उपचार के लिए सीएचसी शिवली लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हैलट रेफर कर दिया गया है। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। फिलहाल ग्राम प्रधान को उपचार के लिए हैलट रेफर किया गया है।

मामूली विवाद में ई-रिक्शा चालक को किया लहुलूहान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में बुधवार को एक मामूली विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। साकेत डिग्री कॉलेज के पास स्थित पेट्रोल पंप पर सीएनजी भरवाने को लेकर अर्टिगा कार चालक और ई-रिक्शा चालक के बीच शुरू हुई कहासुनी कुछ ही मिनटों में हिंसक झड़प में तब्दील हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले गाली-गलौज हुई, फिर कार चालक ने लोहे की रॉड से ई-रिक्शा चालक पर हमला कर दिया। वार इतना बेरहमी से किया गया कि चालक की गर्दन और शरीर पर गंभीर चोटें आ गईं। खून से लथपथ घायल वहीं गिर पड़ा और पेट्रोल पंप पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। अयोध्या कोतवाली प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित ई-रिक्शा चालक से तहरीर ली जा रही है और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़, अव्यवस्था और पुलिस निगरानी की कमी ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे रही है।

निचली गंग नहर में समाई तेज रफ्तार कार, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

» रात के अंधेरे में हुआ भीषण हादसा, पटरी तोड़कर नहर में गिरी कार

»सुबह टायर दिखने पर खुला राज, क्रेन से निकाली गई गाड़ी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। जिले में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार निचली गंग नहर में गिर गई, जिससे कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अछल्दा थाना क्षेत्र के तुरुकपुर गांव के पास रूराङ्गसैफई मार्ग किनारे हुआ। घटना का पता गुरुवार सुबह तब चला, जब राहगीरों ने नहर में कार के टायर दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार डस्टर कार (यूपी 75 एस 9741) देर रात तेज गति से जा रही थी। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि अचानक संतुलन बिगड़ने से कार सड़क किनारे की पटरी तोड़ते हुए सीधे गहरे पानी से भरी नहर में जा गिरी। रात होने के कारण हादसे की भनक किसी को नहीं लग सकी। सूचना मिलते ही अछल्दा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने पुलिस टीम, स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से राहत कार्य शुरू कराया। ट्रैक्टर और क्रेन की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद कार को नहर से बाहर निकाला गया।कार से दो पुरुष और एक महिला को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अछल्दा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। कार नंबर के आधार पर एक मृतक की पहचान इटावा निवासी राजीव कुमार के रूप में हुई है, जबकि अन्य दो मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी बिधूना पुनीत मिश्रा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कराई। पुलिस मृतकों के परिजनों को सूचना देने, दुर्घटना के कारणों की पुष्टि करने और तकनीकी जांच कराने में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना बताया जा रहा है।

बटुकों के सम्मान में बृजेश पाठक मैदान में...!

चोटी खींचने वालों पर महापाप लगेगा..बयान बना सियासी कॉमेंट्स

» अपमानित और नाराज ब्राह्मणों को मनाने के लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक खुलकर सामने आ गए हैं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में अपमानित और नाराज ब्राह्मणों को मनाने के लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक खुलकर सामने आ गए हैं.बटुकों की चोटी खींचने वालों पर महापाप लगेगा.डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का बार-बार पाप-महापाप वाला बयान दोहराना इस बात का संकेत है कि यूपी में शंकराचार्य मामले में एक बार फिर से मोर्चा खुल गया है.. कुछ लोग ये भी कह रहे हैं कि शंकराचार्य के अपमान से जो डैमेज हुआ है उसे बराबर करने के लिए पाठक जी को ऊपर से निर्देश मिले हैं.. हालांकि, शंकराचार्य को लेकर सरकार में ही दो धड़े बन गए हैं.. पहले केशव मौर्य ने शंकराचार्य को भगवान बताया.. अब बृजेश पाठक बटुकों को घर बुलाकर भोजन करा रहे हैं.. टीका लगाकर अंग वस्त्रम पहना रहे हैं.. उनसे आशीर्वाद ले रहे हैं..और इस कार्यक्रम के तुरंत बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक लखनऊ में मौजूद संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिल रहे हैं.संदेश साफ है.तल्खियां हैं.खटपट दिखने लगी है.

शंकराचार्य करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

वाराणसी: 1 बजे अविमुक्तेश्वरानंद करेंगे प्रेस वार्ता.सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रेस वार्ता के माध्यम से सीएम योगी आदित्यनाथ पर साधेंगे निशाना.

मोहन भागवत से मिले पाठक

सीएम योगी: डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी संघ प्रमुख मोहन भागवत से भेंट /बैठक की,आधे घंटे से अधिक चली मुलाक़ात. बताया जा रहा है कि इस दौरान यूजीसी को लेकर भी कुछ चर्चा हुई है क्योंकि सवर्ण समाज में भारी नाराजगी देखी जा रही है.

क्या है एजेंटिक एआई और जेनेरेटिव एआई में अंतर ?

» एजेंटिक एआई और जेनेरेटिव एआई में तकनीक की नई क्रांति को समझना जरूरी

» रचनात्मकता से आगे बढ़कर अब निर्णय लेने लगी है कृत्रिम बुद्धिमत्ता

निखिलेश मिश्रा
(साइबर एक्सपर्ट एवं पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी)

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तेजी से मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही है। विशेष रूप से जनरेटिव एआई (Generative AI) और एजेंटिक एआई (Agentic AI) दो ऐसे आधुनिक रूप हैं जो तकनीक को नई दिशा दे रहे हैं। लोग ये दो नाम तो सुनते है लेकिन इनमे आपस मे फर्क नही जानते हैं इसलिए यह पोस्ट लिख रहा हूँ।

जनरेटिव एआई वह प्रणाली है जो नया कंटेंट तैयार करती है, जैसे लेख, कविता, चित्र, संगीत या कंप्यूटर कोड। उदाहरण के लिए, OpenAI द्वारा विकसित ChatGPT उपयोगकर्ता के निर्देश पर तुरंत निबंध, कहानी या उत्तर तैयार कर सकता है। यह रचनात्मकता को बढ़ाने वाली तकनीक है, जो विचारों को शब्दों और डिज़ाइन में बदल देती है। नाम से स्पष्ट है कि यह तकनीक नया कंटेंट जनरेट करती है।

इसके विपरीत, एजेंटिक एआई केवल सामग्री बनाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि किसी लक्ष्य को समझकर उसे पूरा करने के लिए स्वयं योजना भी बनाती है और कई चरणों में कार्य करती है। यदि किसी संस्था को वेबसाइट बनानी हो, तो जनरेटिव एआई केवल उसका कोड लिखेगी, जबकि एजेंटिक एआई डोमेन चयन, होस्टिंग सेटअप, वेबसाइट अपलोड और परीक्षण जैसे सभी कार्य क्रमबद्ध रूप से पूरा कर सकती है। यह तकनीक निर्णय लेने और कार्य निष्पादन की क्षमता रखती है, इसलिए इसे अधिक स्वायत (Autonomous) एआई माना जाता है।

भविष्य में शिक्षा, व्यवसाय और प्रशासन के क्षेत्रों में इन दोनों तकनीकों का संयुक्त उपयोग व्यापक रूप से होगा। जनरेटिव एआई रचनात्मक कार्यों को सरल और तेज बनाएगी, वहीं एजेंटिक एआई जटिल प्रक्रियाओं को स्वचालित कर कार्यकुशलता बढ़ाएगी। निष्कर्षत:, जहाँ जनरेटिव एआई सोचने और बनाने की शक्ति देती है, वहीं एजेंटिक एआई समझकर कार्य करने की क्षमता प्रदान करती है, और यही संयोजन आने वाले समय की स्मार्ट तकनीक की पहचान बनेगा। कुल मिलाकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अगला चरण वही होगा, जहां रचनात्मकता और स्वचालन का मेल दिखाई देगा।जेनेरेटिव एआई मानव को तेजी से सोचने और बनाने में मदद करेगी, जबकि एजेंटिक एआई जटिल कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने का माध्यम बनेगी—और यही संयोजन आने वाले डिजिटल युग की असली पहचान होगा।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत, कई खिलाड़ी हुए घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 खिलाड़ी घायल हो गए। यह घटना बुधवार शाम शुक्लागंज क्षेत्र के सप्रू मैदान में हुई।पुलिस के मुताबिक, कानपुर निवासी मणिक गुप्ता मैच में अंपायरिंग कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों पर टूट पड़ा। हमले के बाद मैदान में अफरातफरी मच गई और खिलाड़ी व दर्शक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

अस्पताल ले जाते समय बिगड़ी हालत

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक से मणिक गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अंपायर और करीब 15-20 खिलाड़ियों को भी मधुमक्खियों ने डंक मारा, जिनका इलाज कराया गया।

हरकत में आया स्वास्थ्य विभाग अवैध निजी अस्पताल सील

महिला की मौत के बाद जांच में खुला राज, बिना पंजीकरण चल रहा था अस्पताल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। स्वास्थ्य विभाग ने एक सप्ताह की देरी के बाद कार्रवाई करते हुए बिना पंजीकरण संचालित हो रहे आरएस हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर को सील कर दिया। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र भास्कर कुमार भिटौरिया के निर्देश पर की गई।

बताया गया कि 11 फरवरी को मवई क्षेत्र के मथुरा का पुरवा गांव निवासी संगीता पत्नी भागीरथी को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। चिकित्सकों ने बिना उचित उपचार के उसे आनन-फानन में लखनऊ रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

इस गंभीर मामले को मीडिया में प्रमुखता से उठाए जाने के बाद सीएमओ ने इंपैक्ट सेंटर की जांच के आदेश दिए।

जांच टीम जब अस्पताल पहुंची तो संचालक और चिकित्सक मौके से फरार मिले। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि अस्पताल का स्वास्थ्य विभाग में कोई पंजीकरण ही नहीं था। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद बुधवार को अस्पताल को सील करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए अस्पताल को बंद कर दिया।

सीएमओ डॉ. भिटौरिया ने कहा कि अवैध अस्पतालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा। बिना मान्यता चल रहे केंद्र मरीजों की जान के लिए बड़ा खतरा हैं। भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर शून्य सहनशीलता की नीति लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कई गैरमानक उपकरण और बिना लाइसेंस की दवाइयां भी बरामद हुईं, जो स्वास्थ्य नियमों का खुला उल्लंघन हैं।

सीलिंग की कार्रवाई में एडिशनल सीएमओ डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डिप्टी सीएमओ डॉ. पीके गुप्ता, डॉ. पीसी भारती, स्टेनो संदीप यादव, बाबू शशिकांत तिवारी तथा थानाध्यक्ष मवई सुरेश कुमार पटेल भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

जन्मदिन पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सीएम योगी से की भेंट

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीरामनगरी के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा सत्र के दौरान हुई मुलाकात में मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

विधायक ने मुख्यमंत्री को श्रीरामलला का प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन में बधाई दी।

भेंट के दौरान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र से सरकारी नौकरी का रास्ता

» आंखों की बीमारी के नाम पर छल, जांच से बचते अफसर, सिस्टम की चुप्पी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सरकारी तंत्र में बैठे एक अफसर के कथित फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र ने प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और चयन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला अयोध्या में तैनात रहे वस्तु एवं सेवा कर विभाग के उप आयुक्त प्रशांत कुमार सिंह से जुड़ा है, जिन्होंने दिव्यांग कोटे के आधार पर नौकरी हासिल की।

जिला चिकित्सालय मऊ के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वकील अली का स्पष्ट कहना है कि 31 वर्ष की उम्र में ÷मैक्युलर डिजनरेशन÷ जैसी बीमारी होना लगभग असंभव है। यह रोग सामान्यतः बुजुर्गों में पाया जाता है। वहीं नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. एलएस चौबे ने बताया कि जिस समय यह प्रमाणपत्र बना, उस समय अस्पताल में आवश्यक जांच मशीन ही नहीं थी। प्रमाणपत्र में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। इसमें आवश्यक चिकित्सकों के सभी हस्ताक्षर नहीं हैं। नाक-कान-गला विशेषज्ञ और चिकित्सक के हस्ताक्षर गायब हैं। इसके बावजूद इसे स्थायी दिव्यांगता प्रमाणपत्र घोषित कर दिया गया। यही नहीं, जारी तिथि भी संदिग्ध है।

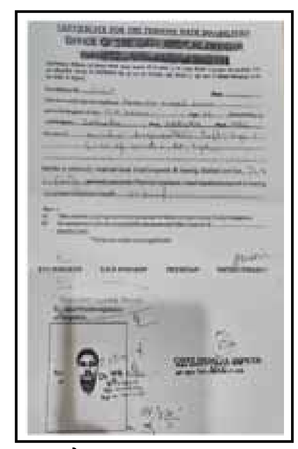

वरिष्ठ चिकित्सकों का कहना है कि इस बीमारी की पुष्टि के लिए विशेष मशीन द्वारा जांच जरूरी होती है। बिना जांच के इस प्रकार का प्रमाणपत्र बनना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। गोंडा के सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. घनश्याम यादव ने भी इसे नियमों के विपरीत बताया। आजमगढ़ मंडलीय चिकित्सा बोर्ड पिछले पांच वर्षों से इस मामले की जांच कर रहा है। चार बार प्रशांत सिंह को जांच के लिए बुलाया गया, लेकिन वे हर बार अनुपस्थित रहे। इससे साफ है कि जांच को जानबूझकर टाला जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इसी प्रमाणपत्र के आधार पर उन्होंने सरकारी सेवा में प्रवेश पाया और वर्षों तक लाभ उठाया। हाल ही में दिया गया इस्तीफा और फिर वापस लेना भी इस मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। जब संवाददाता ने प्रशांत सिंह से संपर्क किया तो उन्होंने सवालों से बचते हुए केवल इतना कहा कि मामला न्यायालय में लंबित है।

रामलला के मस्तक पर सूर्य का दिव्य तिलक अब शाश्वत परंपरा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में राम नवमी पर होने वाला 'सूर्य तिलक' अब शाश्वत परंपरा का रूप ले रहा है। प्रभु रामलला के मस्तक पर सूर्यकिरणों से होने वाले इस दिव्य तिलक का संचालन आगामी दस वर्षों तक केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दो दिवसीय बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस संस्था ने इस दिव्य व्यवस्था को विकसित किया है, वही इसकी पवित्रता और तकनीकी शुद्धता को सुरक्षित रखेगी। राम मंदिर परिसर स्थित 15 अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं के दर्शन 19 मार्च से प्रारंभ होंगे। एक समय में अधिकतम एक हजार भक्तों को प्रवेश की अनुमति होगी। सुरक्षा की दृष्टि से पास प्रणाली लागू रहेगी, जिससे अनुशासन और मर्यादा बनी रहे।नव संवत्सर के विशेष उत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लगभग चार घंटे तक मंदिर परिसर में रहेंगी। वे दूसरे तल के गर्भगृह में राम रक्षा यंत्र की स्थापना करेंगी। साथ ही निर्माण कार्य में योगदान देने वाले लगभग 400 श्रमिकों व तकनीकी कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। परिसर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय सितंबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसमें 20 गैलरियां होंगी। एक विशेष गैलरी हनुमान जी को समर्पित होगी, जिसका निर्माण आईआईटी मद्रास की टीम द्वारा किया जा रहा है। यहां 3ड़ तकनीक से 12 मिनट की आध्यात्मिक प्रस्तुति दिखाई जाएगी।

30 अप्रैल तक पूर्ण करने का लक्ष्य

मुख्य मंदिर निर्माण पूर्ण हो चुका है। अब संग्रहालय, अस्थायी मंदिर और हुतात्मा स्मारक स्तंभ पर कार्य केंद्रित है। इन सभी को 30 अप्रैल तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। बाउंड्री वॉल व सीवर संरचनाओं को लेकर अरविंदो आश्रम से संवाद जारी है। राम नवमी पर सूर्य की किरणों से प्रभु रामलला के मस्तक पर होने वाला यह तिलक अब स्थायी व्यवस्था के रूप में स्थापित होगा। अगले दस वर्षों तक सीबीआरआई इसकी तकनीकी देखरेख करेगा, जिससे यह दिव्य परंपरा अविराम चलती रहे। अयोध्या की यह व्यवस्था न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह दर्शाती है कि सनातन परंपरा और आधुनिक विज्ञान मिलकर भी प्रभु श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकते हैं।

कोर्ट ने कहा बिना लक्षित नीति के मुफ्त वितरण से अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा बोझ

सुप्रीम कोर्ट ने फ्री योजनाओं की बढ़ती प्रवृत्ति पर जताई गंभीर चिंता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों की मुफ्त योजनाओं (फ्रीबीज) को लेकर आज सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना स्पष्ट पात्रता, वित्तीय स्रोत और दीर्घकालिक आकलन के मुफ्त सुविधाओं का व्यापक वितरण आर्थिक अनुशासन और कार्य संस्कृति दोनों के लिए चुनौती बन सकता है। अदालत ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं और लोकलुभावन मुफ्त वितरण में स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि सरकारों का दायित्व है कि वे गरीब और जरूरतमंद वर्ग को सहायता दें, लेकिन यदि भुगतान करने में सक्षम लोगों को भी समान रूप से मुफ्त सुविधाएं दी जाती हैं, तो इससे राज्य के खजाने पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि ऐसी नीतियां दीर्घकाल में वित्तीय असंतुलन और संसाधनों के गलत उपयोग का कारण बन सकती हैं।

कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या मुफ्त योजनाओं को लागू करने से पहले राज्यों द्वारा उनके वित्तीय प्रभाव, लाभार्थियों की पहचान और स्थायी फंडिंग व्यवस्था का समुचित अध्ययन किया जाता है। पीठ ने कहा कि अगर सरकारें लगातार मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करती रहेंगी तो इससे उत्पादकता और काम करने की प्रेरणा पर भी असर पड़ सकता है।

अदालत ने यह भी कहा कि शासन का प्राथमिक लक्ष्य रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और कौशल विकास होना चाहिए। मुफ्त योजनाएं यदि जरूरी हों तो उन्हें स्पष्ट लक्ष्य समूह और सीमित दायरे में लागू किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों से इस संबंध में जवाब मांगा गया। कोर्ट ने संकेत दिया कि वह इस मुद्दे पर व्यापक नीति ढांचे और वित्तीय जवाबदेही के पहलुओं को भी परखेगा। मामले की अगली सुनवाई निर्धारित तिथि पर होगी।

- कोर्ट ने कहा बिना पात्रता मानदंड मुफ्त वितरण आर्थिक रूप से जोखिमपूर्ण
- जरूरतमंदों के लिए लक्षित कल्याणकारी योजनाएं उचित, सार्वभौमिक फ्रीबीज नहीं
- सक्षम लोगों को मुफ्त लाभ देना राजकोष पर अनावश्यक बोझ
- लोकलुभावन घोषणाओं से वित्तीय अनुशासन प्रभावित होने की आशंका
- रोजगार, कौशल और बुनियादी विकास पर फोकस बढ़ाने की नसीहत
- केंद्र व राज्य सरकारों से मांगा विस्तृत जवाब
- मुफ्त योजनाओं के दीर्घकालिक आर्थिक प्रभाव पर मांगी स्पष्टता

कल्याणकारी योजनाओं और लोकलुभावन मुफ्त वितरण में स्पष्ट अंतर हो

जिम के बाहर भारतीय युवक पर नस्लीय हमला, तीन हमलावरों ने की बेरहमी से पिटाई

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के एक युवक पर कथित नस्लीय हमले की गंभीर घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार विक्टोरिया प्रांत के कोरियो इलाके में एक जिम के बाहर 22 वर्षीय भारतीय युवक हरमनप्रीत सिंह के साथ तीन अज्ञात हमलावरों ने मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि हमले से पहले हमलावरों ने नस्लीय टिप्पणियां भी कीं।

बताया गया है कि घटना मंगलवार देर रात की है। हरमनप्रीत सिंह जिम में कसरत कर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उनके प्रति आपत्तिजनक और नस्लीय टिप्पणी की, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने विवाद से बचने की कोशिश की और जिम से बाहर निकल गए, लेकिन बाहर निकलते ही तीन लोगों ने उन्हें घेर लिया।

आरोप है कि हमलावरों ने नस्लीय गालियां देते हुए अचानक हमला कर दिया। एक हमलावर ने सिर से उनकी नाक पर जोरदार वार किया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। घटना का एक वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है, जिसमें हमलावरों की अपमानजनक भाषा सुनाई देती है।

हमले के बाद तीनों आरोपी कार से मौके से फरार हो गए। घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने नाक में गंभीर चोट की पुष्टि की है। चिकित्सकों के अनुसार सर्जरी

➪ विक्टोरिया के कोरियो क्षेत्र में घटना, अंदर की नस्लीय टिप्पणियों के बाद बाहर मारपीट, पुलिस ने शुरू की जांच

की आवश्यकता पड़ सकती है। पीड़ित ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए नस्लीय टिप्पणियां और सार्वजनिक अपमान बेहद पीड़ादायक होता है, खासकर तब जब वह अपने निजी कार्य में व्यस्त हो।

स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अधिकारियों ने प्रत्यक्षदर्शियों से आगे आकर जानकारी देने की अपील की है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के लोगों पर नस्लीय हमलों की घटनाएं सामने आती रही हैं। वर्ष 2025 में एडीलेड में भी एक भारतीय छात्र पर हमले की घटना चर्चा में रही थी। ताजा मामला एक बार फिर प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

पटना उच्च न्यायालय का 42 विधायकों को नोटिस

चुनावी हलफनामों में गलत जानकारी देने का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज

पटना। पटना उच्च न्यायालय ने चुनावी हलफनामों में कथित गलत जानकारी और तथ्यों को छिपाने के आरोपों से जुड़े मामलों में बिहार के 42 विधायकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। ये नोटिस विभिन्न चुनाव याचिकाओं पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद जारी किए गए हैं। अदालत ने सभी संबंधित विधायकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पक्ष रखने को कहा है।

मामला उन याचिकाओं से जुड़ा है जो संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के पराजित प्रत्याशियों की ओर से दायर की गई हैं। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि विजयी उम्मीदवारों ने नामांकन के दौरान दाखिल चुनावी शपथ पत्र (एफिडेविट) में संपत्ति, आपराधिक प्रकरण या अन्य जरूरी विवरणों के संबंध में अधूरी या भ्रामक जानकारी दी।

नोटिस पाने वालों में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों दलों के विधायक शामिल हैं। इनमें बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार और ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव समेत कई प्रमुख नाम भी बताए गए हैं। अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित चुनाव याचिकाओं को क्लब कर सुनवाई की जा रही है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यह नोटिस आरोपों की सत्यता पर अंतिम टिप्पणी नहीं है, बल्कि जवाब प्राप्त करने और तथ्यों की जांच के लिए जारी किया गया है। सभी पक्षों के जवाब और अभिलेख देखने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई की तिथि न्यायालय द्वारा बाद में निर्धारित की जाएगी। यह कार्रवाई राज्य की राजनीतिक और कानूनी हलचल के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

खबरः एक नजर में

- पटना उच्च न्यायालय ने 42 विधायकों को नोटिस जारी किया
- चुनावी हलफनामों में गलत/अधूरी जानकारी देने का आरोप
- पराजित प्रत्याशियों की चुनाव याचिकाओं पर हुई कार्रवाई
- सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल
- विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार और मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को भी नोटिस
- कोर्ट ने जवाब दाखिल करने को कहा, अगली सुनवाई बाद में तय होगी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उ्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उ्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें https://epaper.swarajindianews.com